

है तो मेरा कहना है कि बरौनी में आपकी पब्लिक सैक्टर में जो रिफाइनरी है वहां ऐनसिएलैरी इण्डस्ट्री ड्रम्स बगैरह बनाने की जरूरत है उसको आप क्यों नहीं पब्लिक सैक्टर में लेते हैं ? इसी तरीके से गुजरात में तेल निकलता है तो वहां पेट्रो कैमिकल इंडस्ट्री को भी आपको पब्लिक सैक्टर में लेना चाहिए । उसको आप क्यों प्राइवेट सैक्टर में देने जा रहे हैं मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार की इस बारे में क्या नीति है ?

श्री त्रि० ना० सिंह : बरौनी का मेरे डिपार्टमेंट से कोई ताल्लुक नहीं है । लेकिन जहां तक मुझे मालूम है मैम्बर साहब सवाल ऐनसिएलैरी इंडस्ट्रीज के बारे में पूछ रहे हैं । बड़ी इंडस्ट्रीज हैवी इंडस्ट्रीज प्राइवेट सैक्टर में हों या पब्लिक में हों इस सवाल का मौजूदा सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं है ।

Shri Mansinh P. Patel: May I know whether the Government has prepared specific reports of ancillary industries attached to each of the public sector undertakings?

Shri Bibudhendra Misra: In some cases, ancillaries have come up; in other cases, reports have been prepared and are being examined.

Shri Narendra Singh Mahida: May I know whether the Government propose to put up such industries in rural areas?

Mr. Speaker: They are attached to heavy public sector undertakings that are there.

Twin Diesel Rail Car Unit

- +
 *92. { Shri Gulshan:
 Shri P. K. Deo:
 Shri Solanki:
 Shri D. D. Puri:
 Shri Subodh Hansda:
 Shri P. G. Sen:
 Shri Ram Sewak:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a twin diesel rail car unit has been manu-

factured at the Integral Coach Factory, Perambur (Madras);

(b) if so, the cost involved; and

(c) whether manufacture of large number of such cars is proposed to be taken up and if so, when?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): (a) Yes, Sir. A prototype Metre Gauge twin diesel rail car has been recently manufactured at the Integral Coach Factory.

(b) The cost of this twin diesel rail car unit is estimated at Rs. 5.58 lakhs.

(c) The series manufacture of diesel rail cars would be undertaken when suitable indigenously manufactured diesel engines are available.

श्री गुलशन : क्या मैं यह जान सकता हूँ कि डीजल रेल कारों के निर्माण के लिए मद्रास राज्य के अलावा और भी किसी राज्य में ऐसे कारखाने लगाये जा रहे हैं ?

डा० राम सुभग सिंह : जी, नहीं ।

श्री तुलशीदास जाधव : नैरोगेज के ऊपर यह डीजल कारों का सरकार का उपयोग करने का विचार है अथवा नहीं ?

डा० राम सुभग सिंह : अभी तो केवल एक रेल कार ही इंटीग्रेल कोच फैक्टरी में बनी है । इंजन अभी तक नहीं बना है अलबत्ता इंजन बनाने की बात अवश्य चल रही है लेकिन अभी नैरोगेज पर इसे चालू करने का कोई सवाल नहीं उठता है । मीटरगेज पर चालू हो जाने के बाद ही उसका नम्बर आयेगा ।

Shri Subodh Hansda: May I know whether the manufacture of these diesel rail cars involve any sort of foreign material or whether it is only of indigenous material?

Dr. Ram Subhag Singh: Yes, Sir.

श्री सरजू पाण्डेय : क्या मरुवाडीह में कोई इस तरह की डीजल रेल कार बनाने का प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है ?

डा० राम सुभग सिंह : असल में इंट्रैल कोच फैक्टरी में एक प्रोटोटाइप मीटर गेज टुईन डीजेल रेल कार हाल में बनाई गई है। इंजन बनाने की बात अलग से चल रही है। डीजेल रेल इंजन अशोक लैंड, हिन्दुस्तान एयर क्राफ्ट लिमिटेड बंगलौर और किरॉल-स्कर बनाना चाहते हैं और उसकी चर्चा वहां चल रही है।

श्री अ० प्र० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह डिजेल एलेक्ट्रिफिकेशन अधिक से अधिक रेलवे करने जा रही है तो क्या रेलवे ने तय कर लिया है कि इस तरीके से जो बड़े बड़े स्टीम लोकोमोटिव्स हैं उनका वे इस्तेमाल बन्द कर देंगे ?

डा० राम सुभग सिंह : असल में पहले के जो बड़े-बड़े स्टीम लोकोमोटिव्स हैं उनको एकदम से उठाने की कोई बात नहीं है, धीरे-धीरे उनको रिप्लेस किया जायेगा। लेकिन अभी फिलहाल वे पांचवीं पंचवर्षीय योजना तक तो चलते ही रहेंगे।

Dr. Ranen Sen: In Banaras there is the workshop under the State sector to produce these diesel engines. What is the idea behind producing these diesel rail cars in Perambur instead of trying to develop those prototypes in Banaras workshop?

Dr. Ram Subhag Singh: At Varanasi, diesel locomotives are manufactured. Here this question concerns only the manufacture of a prototype diesel rail car coach. So, only coaches have been manufactured there, and the Integral Coach Factory is meant for that.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Bokaro Steel Project

Shri D. D. Puri:
Shri Vishram Prasad:
Shri Bagri:
Shri Hem Barua:
Shri P. C. Borooah:

Shri Surendra Pal Singh:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Subodh Hansda:
Shri S. C. Samanta:
Shri M. L. Dwivedi:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri K. N. Tiwary:
Shri Ram Sewak Yadav:
Shri P. R. Chakraverti:
Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri C. K. Bhattacharyya:
Shri Vidya Charan Shukla:
Shri Yashpal Singh:
Shri Himatsingka:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri H. C. Soy:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri Kishen Pattnayak:
Shri K. C. Pant:
Shri T. Subramanyam:
Shri Y. S. Chaudhary:
Shri P. G. Sen:
Shri Ram Sewak:
Dr. Mahadeva Prasad:

*93.

Will the Minister of Steel and Mines be pleased to state:

(a) whether the final agreement on Bokaro Steel Plant design has been concluded with the U.S.S.R.;

(b) if so, the broad terms thereof;

(c) to what extent and in what manner the Indian consulting firm of Dastur and Company will be associated with this project; and

(d) what remuneration has been agreed to be paid to Dastur and Company?

The Minister of Steel and Mines (Shri Sanjiva Reddy): (a) to (d). An Indo-Soviet Agreement regarding Bokaro is expected to be concluded shortly. It has been however agreed with the Soviet authorities that the Soviet organization will prepare a detailed project report. While Indian agencies will be associated with the engineering of Bokaro, the extent of such association, including that of